BSES

बीएसईएस के नाम पर ठगी, तीन उपभोक्ताओं से 78 हजार रूपये ठगे

- एक ठग ने उपभोक्ता से 45 हजार नकद लेकर, उसे इतनी ही रकम का चेक दे दिया, जो बाद में बाउंस हो गया
- एक ठग के पास नकली बीएसईएस पहचान पत्र था
- तीनों मामले कोटला मुबारकपुर के
- उपभोक्ताओं को सलाह– सावधान रहें, सिर्फ बीएसईएस ऑफिसों में भुगतान करें
- खुद को बीएसईएस कर्मी बताने वाले व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करें
- शक हो, तो 39999808 और 39999707 पर संपर्क करें, और पुलिस को भी सूचना दें
- 4 हजार से अधिक की रकम का भुगतान सिर्फ चेक के माध्यम से होगा

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 2008। ठग एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं और वे बीएसईएस के नाम पर ठगी कर रहे हैं। दक्षिणी दिल्ली के कोटला मुबारकपुर इलाके में ठगों ने अलग– अलग मामलों में तीन उपभोक्ताओं को अपना शिकार बनाया और उन से 78 हजार रूपये ठग लिए।

प्रकाश चंद से 45 हजार ठगे

यह मामला अपने आप में अनोखा है। कोटला मुबारकपुर निवासी प्रकाश चंद, एक ठग के झांसे में इस कदर आ गए कि उन्होंने उसे 45 हजार रूपये का भुगतान कर दिया। दरअसल, प्रकाश चंद अपने साथ 45 हजार रूपये लेकर, बकाये का भुगतान करने बीएसईएस ऑफिस जा रहे थे। डिविजन ऑफिस के पास उन्हें एक और उपभोक्ता मिला, जिसने प्रकाश चंद से बातों ही बातों में उनकी पूरी कहानी जान ली। प्रकाश चंद ने उसे यह भी बता दिया कि वह 45 हजार रूपये बीएसईएस ऑफिस में जमा कराने जा रहे हैं। अब प्रकाश चंद उस कथित उपभोक्ता, जो के वास्तव में एक ठग था, के जाल में फंस चुका था। ठग ने प्रकाश चंद को बताया कि कोई भी व्यक्ति 4 हजार रूपये से ज्यादा का नकद भुगतान नहीं कर सकता, इसके लिए उसे चेक से भुगतान करना होगा। लेकिन प्रकाश चंद के पास उस वक्त चेक नहीं था। ठग को जब यह पता चला, तो उसने प्रकाश चंद से कहा कि उन्हें घबराने की कोई जरूरत नहीं है– प्रकाश चंद उसे 45 हजार रूपये दें और बदले में वह इतनी ही रकम का चेक प्रकाश चंद को दे देगा। प्रकाश चंद ने ऐसा ही किया। उन्होंने ठग को 45 हजार रूपये दे दिए और उस से चेक लेकर बीएसईएस ऑफिस में जमा करा दिया। लेकिन वह चेक बाउंस हो गया। मामले की जांच चल रही है।

नेतराम से 15 हजार ठगे

वजीर नगर, कोटला मुबारकपुर निवासी नेतराम के घर एक व्यक्ति पहुंचा, जिसने खुद को बीएसईएस कर्मचारी बता कर अपना परिचय दिया। नकली बीएसईएस कर्मी ने नेतराम को धमकाया कि नेतराम के मीटर से छेड़छाड़ हुई है और उन्हें इसके लिए भारी जुर्माना किया जाएगा। उसके बाद, ठग ने नेतराम से कहा कि यदि उपभोक्ता उसे 15 हजार रूपये दे देता है, तो वह मामले को रफा– दफा करवा देगा। नेतराम ठग के जाल में फंस गए और उन्होंने उसे 15 हजार रूपये का भुगतान कर दिया। ठग उसके बाद भी उपभोक्ता के यहां आता–जाता रहा, लेकिन जब उसने नेतराम से किए गए वादे को पूरा नहीं किया, तब नेतराम को शक हुआ और उन्होंने ठग का पहचान पत्र छीन लिया। उसके बाद, वह उस पहचान पत्र को स्थानीय बीएसईएस ऑफिस में लेकर आए और अधिकारियों को पूरी कहानी बताई। लेकिन वह पहचान पत्र नकली था। इस मामले में ठग को ढूंढने के प्रयास हो रहे हैं।

उपभोक्ता से 18 हजार ठगे

कोटला मुबारकपुर के ही एक निवासी से, ठगों ने खुद को बीएसईएस कर्मचारी बताकर, 18 हजार रूपये ठग लिए। ठगों ने उपभोक्ता को बताया कि उसके मीटर से छेड़छाड़ हुई है, लेकिन वे 18 हजार रूपये में मामले को खत्म करवा देंगे। उपभोक्ता ठगों के झांसे में आ गया और उसने ठगों को 18 हजार रूपये का भुगतान कर दिया। बाद में पता चला कि वे बीएसईएस कर्मचारी नहीं, बल्कि ठग थे।

बीएसईएस की सलाह

बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को सलाह देती है कि वे ऐसे तत्वों से सावधान रहें और उनकी धमकियों, बातों या किसी लालच में न आएं। ऐसे तत्व अपने फायदे के लिए कंपनी की छवि खराब कर रहे हैं। बीएसईएस यह भी साफ करना चाहती है कि किसी भी व्यक्ति को पैसे न दें, कारण चाहे कुछ भी हो। और, एन्फोर्समेंट, व्यावसायिक आदि किसी भी तरह का भुगतान सिर्फ बीएसईएस ऑफिसों में ही किया जाना चाहिए। 4 हजार से उपर के भुगतान सिर्फ चेक के माध्यम से किए जाएं। जब भी कोई व्यक्ति आपके मीटर की जांच करने आता है, तो पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आपके घर पहुंचा व्यक्ति बीएसईएस से संबंधित है। सबसे पहले उसका पहचान पत्र मांगे और उस पर ये चीजें देखें– बीएसईएस का लोगो, बीएसईएस का होलोग्राम, व्यक्ति का फोटो, पहचान पत्र जारी करने की तारीख व उसकी वैधता, व्यक्ति और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के दस्तखत, कर्मचारी/ पहचान पत्र संख्या, ठेकेदार का नाम/ लोगो/ पता। और हां, पहचान पत्र लेमिनेशन युक्त होना चाहिए। यदि कोई शक हो, तो तुंरत 39999808 और 39999707 पर संपर्क करें और पुलिस को भी सूचित करें।

श्री धर्मेन्द्र
28316812